CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

एनडीआरआई ने विश्व दुग्ध दिवस पर दूध आधारित उत्पादों, तकनीकों का प्रदर्शन किया|

विश्व दुग्ध दिवस मनाने के लिए, आईसीएआर-राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई) द्वारा दूध आधारित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। प्रमुख नवीन उत्पादों और तकनीकों में हर्बल अर्क के साथ घी, करक्यूमिन फोर्टिफाइड घी, उच्च प्रोटीन आइसक्रीम, खनिज मिश्रण, बाजरा बिस्कुट, बाजरा लस्सी, साइलेज उत्पादन इकाई और पनीर तैयार करने की इकाई शामिल हैं, जिन्हें प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया। दूध में मिलावट का पता लगाने वाली किट आगंतुकों के प्रमुख आकर्षणों में से एक थी।

इस मौके पर डायरेक्ट वैट सेट के लिए एक इनोवेटिव टेक्नोलॉजी, प्रोबायोटिक कल्चर पाउडर भी लॉन्च किया गया।

आईसीएआर-एनडीआरआई के निदेशक डॉ. धीर सिंह ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और इस बात पर प्रकाश डाला कि वैश्विक आबादी का लगभग 20 प्रतिशत आजीविका के साधन के रूप में डेयरी क्षेत्र पर सीधे निर्भर है। इसके अलावा उन्होंने कहा, "डेयरी क्षेत्र भारत के सकल घरेलू उत्पाद में सबसे बड़ा योगदानकर्ता है" और भारतीय डेयरी पशुओं की उत्पादकता में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे ग्रामीण आय में वृद्धि करने में मदद मिलेगी।

एनडीडीबी उत्तर प्रदेश में महिला डेयरी एफपीओ शुरू करेगा

उत्तर प्रदेश सरकार। राज्य के 17 जिलों में महिलाओं के स्वामित्व वाली दुग्ध उत्पादक कंपनियों का एक नेटवर्क बनाने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की सहायक कंपनी एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज (एनडीएस) से आधिकारिक तौर पर आग्रह किया है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में डेयरी विकास के क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए बाली दुग्ध उत्पादक कंपनी, झांसी और काशी दुग्ध उत्पादक कंपनी, वाराणसी की सार्वजनिक रूप से सराहना की है। यहां तक कि उन्होंने पिछले साल आईडीएफ वर्ल्ड डेयरी समिट 2022 में अपनी टिप्पणी में बालिनी को महिलाओं के लिए एक मॉडल संगठन के रूप में संदर्भित किया था।

'उत्तर प्रदेश महिला सामर्थ्य योजना' नाम की इस पहल से लगभग 1.50 लाख महिला दुग्ध किसानों को लाभ होने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने 2021-22 के बजट में 'महिला सामर्थ्य योजना' (MSY) के लिए 200 करोड़ रुपये आवंटित किए थे।

डीए एंड एफडब्ल्यू ने "पर ड्रॉप मोर क्रॉप" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया

कृषि और किसान कल्याण विभाग (डीए एंड एफडब्ल्यू), कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "पर ड्रॉप मोर क्रॉप (पीडीएमसी)" पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन आज यहां हितधारकों के साथ विभिन्न दृष्टिकोणों पर चर्चा करने के लिए किया गया, जिन्हें कृषि और किसान कल्याण के लिए अपनाया जा सकता है। देश में सूक्ष्म सिंचाई की बढ़ती पैठ। इस कार्यक्रम में केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों, सिंचाई उद्योगों, जल प्रबंधन क्षेत्र में काम करने वाले स्टार्टअप और किसान उत्पादक संगठनों के प्रतिभागी उपस्थित थे।

श्री मनोज आहूजा, सचिव, कृषि और किसान कल्याण विभाग (डीए एंड एफडब्ल्यू) ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में प्रौद्योगिकियों को अपनाने और सूक्ष्म सिंचाई कवरेज को बढ़ाने के लिए केंद्रित दृष्टिकोण पर जोर दिया और जिससे देश की खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कृषि की समग्र दक्षता और जल उत्पादकता में वृद्धि हुई और किसानों की आय, विशेष रूप से बारानी क्षेत्रों में किसानों की आय सुनिश्चित हुई।

22 दूध उत्पादक कंपनियों के लाखों डेयरी किसानों ने दूध उत्पादन बढ़ाने का संकल्प लिया।

एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज (एनडीएस) ने कहा कि विभिन्न राज्यों में 1 जून को विश्व दुग्ध दिवस मनाया गया, लाखों डेयरी किसानों और उनके परिवारों ने भारत को 'दुनिया की डेयरी' बनाने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया।

एनडीएस द्वारा समर्थित 22 दुग्ध उत्पादक कंपनियों (एमपीसी) में से 15 में सभी महिला सदस्य हैं और उनके बोर्ड में सभी निर्माता निदेशक भी महिलाएं हैं। 9 राज्यों के 130 जिलों में फैले इन 22 एमपीसी में 8.7 लाख सदस्य हैं और इनमें से 71 प्रतिशत महिलाएं हैं।

इन 22 एमपीसी के सदस्यों ने 'कुल विश्व उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाकर भारत को विश्व की डेयरी बनाने' का संकल्प लिया, देश के सबसे दूरस्थ हिस्से से भी दूध प्राप्त करके उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण दूध और दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराने और प्रतिस्पर्धी मूल्य प्रदान करने का संकल्प लिया। किसानों को दुग्ध संग्रहण एवं भुगतान की पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से किया जायेगा

वे नस्ल सुधार कार्यक्रमों और बेहतर पशु प्रबंधन प्रथाओं के माध्यम से दूध उत्पादकता बढ़ाने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और इसकी सहायक एनडीएस के अध्यक्ष मीनेश शाह ने कहा, "हमारे प्रधान मंत्री ने कल्पना की है कि भारत दुनिया के लिए डेयरी बन जाए। हम दुग्ध उत्पादकों के इस गौरवपूर्ण समुदाय का हिस्सा हैं और कई पर काम कर रहे हैं।" प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने की दिशा में भारत में उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने की पहल।"

पशुपालन और मत्स्य पालन विभाग, चंडीगढ़ ने SKOCH- सिल्वर अवार्ड 2023 से सम्मानित किया।

पशुपालन और मत्स्य पालन विभाग, चंडीगढ़ को विभाग द्वारा इलाज किए जा रहे पशुधन के मेडिकल रिकॉर्ड के कम्प्यूटरीकरण के लिए ई-गवर्नेंस के लिए स्कॉच सिल्वर अवार्ड 2023 मिला। यह देश में अपनी तरह का पहला प्रोजेक्ट है। अधिक जानकारी देते हुए पशुपालन और मत्स्य पालन सचिव श्री विनोद पी कावले ने कहा कि यह वेब-आधारित एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर पांच सरकारी पशु चिकित्सा अस्पतालों और पशुपालन विभाग, चंडीगढ़ के नौ पशु चिकित्सा उप-केंद्रों को पूरा करता है।

इस एप्लिकेशन का मुख्य उद्देश्य पशु मालिकों को इलाज और अन्य सेवाओं जैसे कृत्रिम गर्भाधान, टीकाकरण आदि के लिए अपने पशुओं के ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा प्रदान करना है। पशु चिकित्सा अस्पतालों और उप-केंद्रों जैसे ओपीडी, स्टॉक बुक, दैनिक दवा व्यय और के सभी रिकॉर्ड को बनाए रखना है। कृत्रिम गर्भाधान।

स्कोच सिल्वर अवार्ड स्कोच ग्रुप द्वारा प्रदान किया जाने वाला एक प्रतिष्ठित सम्मान है, जो शासन, वित्त और सामाजिक क्षेत्रों में भारत की अग्रणी थिंक टैंक और परामर्श फर्मों में से एक है। पुरस्कार का उद्देश्य उन असाधारण परियोजनाओं, पहलों और संगठनों की पहचान करना और उन्हें स्वीकार करना है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

मेघालय के गांवों में गांठदार त्वचा रोग का प्रकोप, शिलांग में 20 गायों की मौत

मेघालय के री-भोई और दक्षिण पश्चिम खासी हिल्स जिलों के कई गांव गायों में गांठदार त्वचा रोग के प्रकोप से प्रभावित हुए हैं, जिसके कारण राज्य सरकार ने उन्हें संक्रमित घोषित किया है। शिलांग में, पिनथोरुमख्राह क्षेत्र में कम से कम 20 गायों ने इस बीमारी के कारण दम तोड़ दिया।

इन क्षेत्रों से एकत्र किए गए नमूनों को भोपाल में राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान भेजा गया, जहां उन्होंने गांठदार त्वचा रोग के लिए सकारात्मक परीक्षण किया। राज्य सरकार ने, अधिकारियों के परामर्श से, संक्रमित गांवों को एक निवारक और नियंत्रण उपाय के रूप में घोषित किया, जैसा कि समाचार एजेंसी ने रिपोर्ट किया है।

री-भोई जिले के उमसिनिंग ब्लॉक के सुमेर, मावलिंगखुंग, उम्पीरडोंग-उमडेन, उमकोन-उमडेन, सैदेन-नोंगपोह और जिंत्रु नोंगपोह के गांवों के साथ ही दक्षिण पश्चिम खासी हिल्स जिले के मावकीरवत ब्लॉक के रंगथोंग को संक्रमित घोषित किया गया है।

मवेशियों में गांठदार त्वचा रोग (एलएसडी) के प्रकोप से निपटने के लिए एक सक्रिय कदम में, मेघालय सरकार ने आधिकारिक तौर पर राज्य के कई गांवों को एलएसडी संक्रमित क्षेत्र घोषित किया है। प्रभावित क्षेत्रों में री-भोई जिले के उमसिनिंग सी एंड आरडी ब्लॉक में सुमेर, मावलिंगखुंग, उम्पीरडोंग-उमडेन, उमकोन-उमडेन, सैदेन-नोंगपोह और जिन्ट्रू-नोंगपोह शामिल हैं, साथ ही दक्षिण पश्चिम खासी हिल्स जिले के मावकीरवत सी एंड आरडी ब्लॉक में रंगथोंग भी शामिल हैं।

खेत से घर तक : रुझान और अंतर्दृष्टि के माध्यम से दुग्ध व्यवसाय के भविष्य का अनावरण

दूध की कमी वाले देश से एक दृढ़ डेयरी पावरहाउस तक भारत की यात्रा, उड़ते हुए रंगों के साथ सीमाओं को पार करना, इसकी असाधारण वृद्धि का एक वसीयतनामा है। कभी दूध की कमी से जूझ रहा यह देश दुनिया के सबसे बड़े दुग्ध उत्पादक के खिताब का दावा करने के लिए आगे बढ़ा है, पिछले कई दशकों में उत्पादन में आश्चर्यजनक वृद्धि देखी गई है।

जैसा कि हम विश्व दुग्ध दिवस मनाते हैं, विरासत का सम्मान करना और दुनिया के सबसे बड़े दुग्ध उत्पादक के रूप में भारत के भविष्य को प्रभावित करने वाले पैटर्न और पेचीदगियों को समझना अनिवार्य हो जाता है।

वैश्विक डेयरी बाजार में सबसे आगे बने रहने के लिए, भारत में दुग्ध उद्योग के भविष्य को आकार देने वाले प्रमुख रुझानों को समझना और उनके अनुकूल होना आवश्यक है। डॉ. वर्गीज कुरियन के दृष्टिकोण से प्रेरित, इस क्षेत्र ने किसानों को उचित मूल्य, संसाधनों तक पहुंच और तकनीकी प्रदान करके उनके जीवन को बेहतर बनाने में उल्लेखनीय प्रगति देखी है।

पिछले कुछ वर्षों में दुग्ध व्यवसाय में उल्लेखनीय परिवर्तन देखा गया है, जो उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं, तकनीकी प्रगति और बाजार की गतिशीलता को दर्शाता है। बुनियादी स्टेपल से अत्यधिक विविधीकृत और मूल्य वर्धित उद्योग बनने तक, दूध ने वैश्विक खाद्य और पेय बाजार के एक आवश्यक घटक के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है।

हम कौन हैं?

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तहत भारतीय कृषि कौशल परिषद (ASCI) के तत्वावधान में काम करने वाली एक स्वायत्त संस्था "भारत में डेयरी कौशल के लिए उत्कृष्टता केंद्र (CEDSI)", किसानों की आजीविका के सशक्तिकरण और बेहतरी में मदद करने के लिए, वेतनभोगी कर्मचारी, और डेयरी मूल्य श्रृंखला में अन्य हितधारक।

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

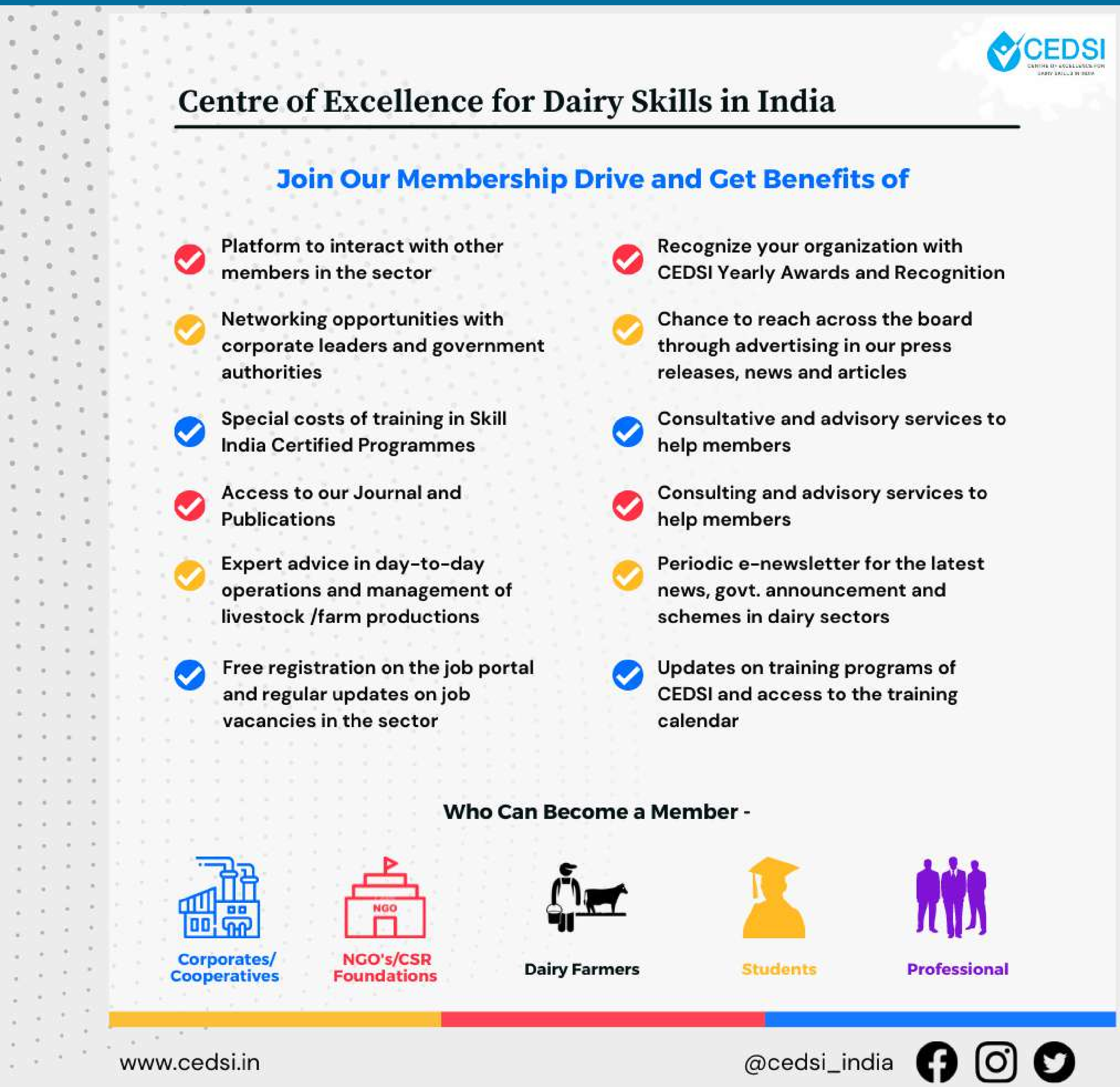

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया